निजी एफएम चैनल पर खबरें : ट्राई ने की सिफारिश

दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने सरकार से निजी एफएम चैनलों पर खबरों के प्रसारण की अनुमति देने की सिफारिश की है। निजी एफएम चैनल काफी लंबे समय से खबरों के प्रसारण की अनुमति दिए जाने की मांग कर रहे हैं। उम्मीद की जा सकती है कि निजी एफएम रेडियो के शौकीन अब इन चैनलों पर खबरें भी सुन सकेंगे।

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय को दी गई अपनी इस महत्वपूर्ण सिफारिश में ट्राई ने कहा कि भारत में रेडियो प्रसारण के आगे के विकास के रास्ते में एक बड़ी बाधा निजी चैनलों को समाचार और समसामयिक विषयों के कार्यक्रमों के प्रसारण की अनुमति नहीं दिया जाना है। एक ऐसे बड़े समुदाय तक, जिसके पास सूचना प्राप्त करने के लिए न टीवी और न ही इंटरनेट या समाचारपत्र, निजी एफएम रेडियो पर खबरों का प्रसारण उन तक सूचनाएं उपलब्ध कराने का सबसे सस्ता विकल्प है।

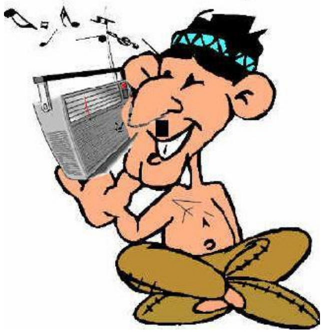

ट्राई ने यह सिफारिश भी की है कि एफएम रेडियो के क्षेत्र में 49 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति सरकार दे। लेकिन उन चैनलों को जो खबरें प्रसारित नहीं करेंगे, उनमें 26 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति दी जाए। फिलहाल एफएम रेडियो में 20 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति है। एफएम रेडियो के तीसरी चरण पर अपनी सिफारिशें जारी करते हुए ट्राई ने कहा है कि निजी एफएम चैनलों को आकाशवाणी, दूरदर्शन, टीवी न्यूज चैनलों, यूएनआई, पीटीआई या अन्य एजेंसियों से खबरें लेकर प्रसारित करने की अनुमति देना चाहिए।

पत्रकारों को भी मिलेंगे राष्ट्रीय पुरस्कार

योजना आयोग ने सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया है कि फिल्मी सितारों की तरह पत्रकारों को भी हर साल राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किये जाएंगे। सरकार ने पत्रकारों के लिए अनुसंधान और संदर्भ के लिए वर्चुअल लाइब्रेरी खोलने की भी योजना बनायी है।

पत्रकारों के लिए अभी तक कोई सरकारी पुरस्कार नहीं है। अन्य क्षेत्रों में काम करने वालों के साथ पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए भी पदम् पुरस्कार दिये जाते हैं लेकिन पदम् पुरस्कार गिने चुने पत्रकारों को ही नसीब होते हैं। अन्य क्षेत्रों जैसे साहित्य, कला, फिल्म, उद्योग के लिए अलग से पुरस्कारों की व्यवस्था है जबकि इन्हें भी पद्म पुरस्कार दिये जाते हैं।

निजी क्षेत्र में सिनेमा के लिए सबसे अधिक पुरस्कार है। स्वाभाविक भी है क्योंकि यह ग्लैमर का माध्यम है। पत्रकारिता में भी ग्लैमर है लेकिन फिल्मों से कम। निजी क्षेत्र ने भी पत्रकारिता के लिए कुछेक पुरस्कारों की शुरूआत की है लेकिन उनमें एक दो ही प्रतिष्ठित हैं।

आजादी के 60 साल बाद सरकार को लोकतंत्र के अभिन्न अंग और खतरों से खेलने वाले पत्रकारों का ध्यान आया है। सरकार ने प्रस्ताव किया है कि पत्रकारिता के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार शुरू किये जाएं। योजना आयोग ने पहले तो इस योजना का समर्थन नहीं किया लेकिन बाद में संशोधनों के साथ इस सैद्धांतिक तौर पर स्वीकार कर लिया। आयोग ने इसे ग्यारहवीं योजना में शामिल कर लिया है।

योजना अयोग ने वर्ष 2008-09 के लिए मीडिया पुरस्कारों, लाइब्रेरी और अनुसंधान के लिए 1.30 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है। सरकार का उद्देश्य है कि मीडिया से अच्छे लोग जुड़े। मंत्रालय ने पूरे पाँच साल के लिए साढ़े चार करोड़ रुपये का प्रस्ताव किया है। पहले साल 1.08 करोड़ रुपये खर्च होंगे और फिर हर साल 90 लाख रुपये खर्च होंगे।

भास्कर, जागरण सर्वाधिक पढ़े जाने वाले अखबार

दैनिक भास्कर व दैनिक जागरण भोपालवासियों द्वारा सबसे अधिक पढ़े जाने वाले अखबार तथा भास्कर व जागरण डॉट कॉम सबसे अधिक पढ़ने जाने वाले हिन्दी न्यूज पोर्टल हैं। माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय द्वारा भोपालवासियों में मीडिया आदतों विषय पर किए गए एक सर्वेक्षण से उक्ताशय के निष्कर्ष सामने आए हैं। सर्वेक्षण में विभिन्न क्षेत्रों के लगभग एक हजार लोगों से प्रश्न किए गए।

इस सर्वेक्षण से यह भी पता चला है कि सर्वाधिक हिन्दुस्तान टाइम्स व भोपाल प्लस, सबसे अधिक देखे जाने वाले टीवी चैनल सहारा समय, भास्कर व ईटीवी तथा सबसे अधिक पढ़े जाने वाले अंग्रेजी न्यूज पोर्टल मेट्रो मिरर तथा हिन्दुस्तान टाइम्स डाट कॉम हैं। यह सर्वेक्षण दिसंबर 2007 में विवि के व्याख्याता संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन में एमए प्रसारण पत्रकारिता के तृतीय सेमिस्टर के विद्यार्थियों ने किया।

वरिष्ठ पत्रकार व्ही.टी. जोशी का निधन

विगत 20 जनवरी को वरिष्ठ पत्रकार वीटी जोशी का बेंगलूरू में निधन हो गया है। वे 82 वर्ष के थे। लगभग 5 दशक तक पत्रकारिता में सक्रिय रहे श्री जोशी ने टाइम्स ऑफ इंडिया में लगभग 25 साल तक कार्य किया वे लगभग अंग्रेजी दैनिक 'हिन्दू' के पाकिस्तान में विशेष प्रतिनिधि भी रहे। श्री जोशी माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की फीचर सेवा के प्रधान संपादक थे। वे 'मीडिया मीमांसा' की संपादकीय टीम से भी जुड़े थे। वे अपने पीछे पत्नी, पुत्र, पुत्रवधु और दो प्रपौत्र छोड़ गए हैं।

अनिल अंबानी का 20 चैनलों के लिए आवेदन

अनिल अंबानी भारतीय मनोरंजन उद्योग का सबसे बड़ा खिलाड़ी बनने की ओर बढ़ रहे हैं। मीडिया जगत में पिछले एक हफ्ते से उड़ रही उन चर्चाओं की पृष्ठभूमि में कि उन्होंने एक प्रमुख हिन्दी खबरिया चैनल को पूरी तरह खरीद लिया है, उनकी कंपनी अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप ने सूचना प्रसारण मंत्रालय के सामने एक-दो नहीं बल्कि पूरे 20 चैनलों के लिए आवेदन किया है। ये चैनल हिन्दी, अंग्रेजी समेत विभिन्न भारतीय भाषाओं में होंगे। खास बात है कि ये सभी मनोरंजन चैनल होंगे। मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि इस समूह ने फिलहाल किसी न्यूज चैनल के लिए आवेदन नहीं किया है। यह शायद पहला मौका है कि जब किसी मनोरंजन कंपनी ने एक साथ इतने चैनलों के आवेदन मंत्रालय के पास स्वीकृति के लिए भेजे हों। इन चैनलों में कम से कम चार मूवी चैनल, तीन या चार म्यूजिक चैनल और विभिन्न भाषाओं में 8-10 मनोरंजन चैनल होंगे। क्षेत्रीय भाषाओं में 8-10 मनोरंजन चैनल होंगे। क्षेत्रीय भाषाओं में मराठी, तमिल और गुजराती भाषा के ज्यादातर चैनल होंगे। इंडस्ट्री में पिछले कुछ दिनों से यह उम्मीद जतायी जा रही थी कि यह समूह एक साथ कई चैनल लाने की घोषणा कर सकता है। खासकर इसलिए कि मई-जून तक यह अपना डीटीएच 'बिगटीबी' शुरू कर रहा है।

इंडस्ट्री के एक जानकार ने बताया कि यह समूह मौजूदा खबरिया चैनलों में से एक अंग्रेजी और एक हिन्दी चैनल का अधिग्रहण कर सकता है। फिलहाल इस समूह के पास 'आजतक' (करीब 20 प्रतिशत), 'एएनबीसी-टीवी 18' (7-8 प्रतिशत, 'एनडीटीवी' (5-7 प्रतिशत), 'जी न्यूज' (करीब 5 प्रतिशत) जैसे चैनलों में थोड़ी-थोड़ी हिस्सेदारी है। चर्चा है कि यह समूह एक हिन्दी खबरिया चैनल को खरीदने की तैयारी कर रहा है।

पुरस्कार/सम्मान

अक्षरम् हिन्दी प्रौद्योगिकी सम्मान वेबदुनिया को

विश्व के पहले हिन्दी पोर्टल वेबदुनिया कॉम को छठे अंतरराष्ट्रीय हिन्दी उत्सव-2008 में 'अक्षरम् हिन्दी प्रौद्योगिकी सम्मान' से नजाजा गया। यह पोर्टल हिन्दी समेत भारत की नौ भाषाओं में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है। 'अक्षरम्' द्वारा भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) साहित्य अकादमी तथा उप्र भाषा संस्थान के सहयोग से आयोजित हिन्दी उत्सव में हिन्दी से जुड़े करीब 400 संस्थानों भाषाविदों, लेखकों, कवि व संपादकों ने हिस्सा लिया। यह सम्मान वेबदुनिया के अध्यक्ष और मुख्य परिचाल अधिकारी (सीओओ) श्री पंकज जैन को इंटरनेट की दुनिया में 'वेबदुनिया' द्वारा हिन्दी व अन्य भारतीय भाषाओं के उपयोग व विकास लिए दिया गया है। हिन्दी सचिवालय की महासचिव श्रीमती विनोद बाला ने श्री जैन को यह सम्मान प्रदान किया।

करन थापर - "बेस्ट करंट अफेयर्स प्रजेन्टर'

एशियन टेलिविजन अवार्ड द्वारा प्रसिद्ध टेलिविजन पत्रकार करन थापर को 'बेस्ट करंट अफेयर्स प्रजेन्टर' के अवार्ड से नवाजा गया है। श्री थापर को यह अवार्ड 2006 वकील राजनीतिज्ञ राम जेठमलानी के साक्षात्कार के लिए दिया गया है। श्री थापर अपनी आक्रामक साक्षात्कार शैली के लिए जाने जाते हैं, सीएनएन, आईबीएन पर उनके साक्षात्कारों 'डेविल्स एडव्होकेट' शृंखला काफी चर्चित रही है।

राजेन्द्र धोड़पकर को 'लाइफ टाइम एचीवमेंट' अवार्ड

छत्तीसगढ़ से प्रकाशित पत्रिका कार्टून वॉच का लाइफ टाइम एचीवमेंट अवार्ड इस वर्ष नई दिल्ली में 'हिन्दुस्तान' के कार्टूनिस्ट राजेन्द्र धोड़पकर को दिया जाएगा। कार्टून वॉच के संपादक त्रयम्बक शर्मा ने बताया कि इससे पूर्व ये अवार्ड आर.के. लक्ष्मण, आबिद सुरती, सुधीर तैलंग और प्राण को दिया जा चुका है।

प्रस्तुति - आरती सारंग